2017

HINDI

[Honours]

PAPER – VII

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

[OLD SYLLABUS]

खंड — क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 15 × 2

(क) काव्य के तत्वों को स्पष्ट कीजिए ।

(*Turn Over*)

(ख) साधारणीकरण के सम्बन्ध में हिन्दी के आचार्यों के मतों का विवेचन: कीजिए ।

(ग) उपन्यास समीक्षा के मूल तत्वों का विश्लेषण कीजिए ।

(घ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि को स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) डॉ. राम विलास शर्मा के आलोचना सम्बन्धी मानदंडों को रेखांकित कीजिए ।

खंड — ख

2. किन्हीं *आठ* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 8

(क) 'कला जीवन के लिए' पर विचार कीजिए ।

(ख) 'रस का काव्य में महत्व' को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'सन्देह' और 'भ्राँतिमान' अलंकारों में अन्तर लिखिए ।

(घ) एकांकी कला पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) 'काव्य प्रतिभा' को स्पष्ट कीजिए ।

(च) यथार्थवादी आलोचना की विशेषताएँ लिखिए ।

(छ) कहानी और उपन्यास में अन्तर लिखिए ।

(ज) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की रसवादी अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए ।

(झ) डॉ. नगेन्द्र की आलोचना दृष्टि की विशेषताएँ लिखिए ।

(ञ) किन्हीं दो अलंकारवादी आचार्यों के मतों को स्पष्ट कीजिए ।

खंड — ग

3. किन्हीं *पाँच* पर टिप्पणी लिखिए : 4 × 5

(क) संयोग श्रृंगार रस

(ख) उपमा और मालोपमा में अन्तर

(ग) रस का स्थायी भाव

(घ) प्रगतिवादी आलोचना

(ङ) ऐतिहासिक नाटकों की कथा

(च) काव्यहेतु

(छ) उपदेश परक साहित्य

(ज) नन्ददुलारे वाजपेयी की आलोचना ।